फास्ट ट्रैक पर अंडरग्राउंड मेट्रो

सिविल वर्क के साथ ओएचई, एमईपी के काम ने पकड़ी रफ्तार

■ **मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क.** मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो के पहले चरण का लगभग 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है. बताया गया कि आरे स्टेशन के सिविल वर्क के काम के साथ ओएचई, एमईपी का काम तेज गति से चल रहा है. उल्लेखनीय है कि पहले चरण में सरिपुत नगर से बीकेसी के बीच दिसंबर 2023 तक भूमिगत मेट्रो दौड़ाने का लक्ष्य एमएमआरसीएल ने बनाया है.

एमडी ने की समीक्षा : एमएमआरसीएल की एमडी अश्विनी भिड़े लगातार मेट्रो 3 के कार्य की समीक्षा कर रहीं हैं. उन्होंने प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुबोध गुप्ता व अन्य अधिकारियों के साथ आरे स्टेशन के साथ वर्कशॉप बिल्डिंग, ओसीसी, ओवर हेड इक्विपमेंट (ओएचई), एमईपी वर्क के साथ ट्रैक के काम की समीक्षा की. बताया गया कि मेट्रो 3 का पहला चरण इसी साल रेडी कर दिया जाएगा. अंडरग्राउंड मेट्रो का ओवर हेड इक्विपमेंट काम शुरू हो गया है.

अंडरग्राउंड मेट्रो का पहला चरण काम पूरा

शत-प्रतिशत टनलिंग

कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33.50 किमी लंबी मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो 3 की टनलिंग का काम शत-प्रतिशत होने के बाद सुरंग के अंदर ट्रैक बिछाने और स्टेशन का काम तेजी से चल रहा है.

सरिपुतनगर से मरोल नाका तक टेस्टिंग शुरू

बताया गया कि मेट्रो 3 का पहला चरण शुरू करने के लिए 9 रेक की आवश्यकता होगी. इसके पहले 2 रेक मिल चुके हैं, जिनकी टेस्टिंग सरिपुट नगर से मरोल नाका तक हो रही है. इसी महीने के अंत तक 2 और रेक आने वाले हैं. बाकी रेक शेड्यूल के अनुसार आएंगे. एमएमआरसीएल को मेट्रो-3 के 33 किलोमीटर के रूट पर ऑपरेट करने के लिए कुल 31 रेक की जरूरत होगी. आरे से लेकर बीकेसी तक ट्रैक बिछाने का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है.

कारशेड फुल स्पीड में

आरे में बहुचर्चित मेट्रो कारशेड बनाने का काम भी चल रहा है. एमएमआरसीएल की एमडी अश्विनी भिड़े के अनुसार मेट्रो कारशेड बनाने का काम 55 प्रतिशत से ज्यादा पूरा हो गया है. एमडी अश्विनी भिड़े लगातार कार्यस्थल का दौरा कर नियमित रूप से काम की समीक्षा कर रही हैं.

चुनाव के पहले तीसरी मेट्रो

- सरकार भी चाहती है कि 2024 लोकसभा चुनाव के पहले मुंबईकर पहली अंडरग्राउंड मेट्रो के सफर का आनंद ले सकें.
- मुंबई में मेट्रो 2 ए और 7 का दोनों चरण शुरू होने के बाद अब तीसरी मेट्रो को लेकर तैयारी शुरू हो गई है. राज्य में सरकार बदलने के बाद मुंबई के साथ एमएमआर में भी मेट्रो के काम को गति मिली है.